भजन

तर्ज–पत्थर के सनम

माशूक मेरे ये आशिकी,तुम्हीं समझो तुम्हीं जानो
ये हसीन अदा तेरे आशिक,न समझे हैं और न जानें

1– ये प्यार तेरा है लाड मेरा,इसी इश्के अदा पे दिल हारे
माशूक के पहलू में रूहें,जब आशिकी अपनी वारें
माशूक आशिक तब कुछ न रहा..

2– ये आशिकी माशूक की है,आशिक आशिकी क्या जाने
माशूक बिना आशिक क्या करे,ये इश्के भेद कोई क्या जाने
भरें प्याला इश्क तो बनता है जाम..

3– माशूक दिल आशिक हैं पिया,आशिक दिल की माशूक रूहें
माशूक दिल आशिक तब बने,जब आशिक में माशूक बसे
आशिक भी पिया माशूक भी तुम..